

## 1 जून से बदलेंगे ये 5 बड़े नियम, आम आदमी की जेब पर सीधा असर!

### वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> 1 जून से आम आदमी की जेब पर सीधा असर जानिए क्या-क्या बदलने जा रहा है...
- >> LPG सिलिंडर के दाम क्या इस महीने रसोई गैस की कीमतें बढ़ाएंगी आपकी मुश्किलें?...
- >> कमर्शियल और डोमेस्टिक सिलिंडर का नया रेट...
- >> अंतरराष्ट्रीय बाजार और क्रूड ऑयल का असर...
- >> पेट्रोल-डीजल और तेल की कीमतें नए महीने में ईंधन के दामों का नया समीकरण...
- >> क्या वैट (VAT) और टैक्स में होगा बदलाव?...
- >> खाद्य तेलों (Edible Oils) के बाजार का हाल...
- >> पैन कार्ड से जुड़े जरूरी नियम 1 जून की डेडलाइन और लापरवाही के बड़े नुकसान...
- >> पैन-आधार लकिंग और नष्टिकर्य होने के खतरे...
- >> कैसे करें ऑनलाइन अप्लाई और स्टेटस चेक?...
- >> बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में नए नियम आपकी सेविंग्स और ट्रांजैक्शन पर क्या असर...
- >> क्रेडिट कार्ड के नियमों में बड़ा बदलाव...
- >> अनलॉकड और इनएक्टिव अकाउंट्स पर सख्ती...
- >> घरेलू बजट और महंगाई अन्य सरकारी बदलाव जो सीधे आपकी जेब पर डालेंगे असर...
- >> यातायात और टोल टैक्स में संभावित बढ़ोतरी...
- >> सरकारी योजनाओं (Sarkari Yojana) का नया अपडेट...
- >> बदलते नियमों के बीच कैसे संभालें अपना खर्च-पानी? एक्सपर्ट्स की खास सलाह...
- >> स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग के मूल मंत्र...
- >> नष्टिकर्य...
- >> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

### 1 जून से आम आदमी की जेब पर सीधा असर: जानिए क्या-क्या बदलने ज

हर नए महीने की पहली तारीख अपने साथ कई सरकारी नियमों में बदलाव लेकर आती है। जून का महीना भी इससे अलग नहीं है, क्योंकि 1 जून से देश में कई महत्वपूर्ण वित्तीय और प्रशासनिक बदलाव लागू हो रहे हैं। इन बदलावों का सीधा असर आपके घरेलू बजट, रसोई के खर्च और बैंकिंग ट्रांजैक्शन पर पड़ने वाला है।

अगर आप समय रहते इन नियमों के प्रतिसात्क नहीं होते हैं, तो आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। सरकारी तेल कंपनियों से लेकर इनकम टैक्स विभाग तक, कई स्तरों पर नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं। आइए इस वसिंतुlatest updateमें जानते हैं कि नए महीने की शुरुआत आपके

लए राहत लेकर आ रही है या फरि महंगाई का नया झटका।

इसके अलावा, यदि आप आने वाले समय में होने वाले अन्य बड़े बदलावों के बारे में भी एडवांस में जानकारी चाहते हैं, तो हमारी इस विशेष रिपोर्ट को पढ़ना न भूलें: 1 जुलाई से होने जा रहे 5 बड़े बदलाव, आम आदमी की जेब पर सीधा असर!

## LPG सिलिंडर के दाम: क्या इस महीने रसोई गैस की कीमतें बढ़ाएंगे

हर महीने की पहली तारीख को देश की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों जैसे इंडियन ऑयल (IOCL), भारत पेट्रोलियम (BPCL) और हदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) रसोई गैस यानी LPG सिलिंडर की नई कीमतों की घोषणा करती हैं। जून के महीने में भी इस status check पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं।

## कमर्शियल और डोमेस्टिक सिलिंडर का नया रेट

पछिले कुछ महीनों में कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर (19 किलोग्राम) के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। व्यापारी वर्ग और रेस्टोरेंट मालिकों को उम्मीद है कि इस बार कीमतों में कटौती की जाएगी ताकि व्यापारिक खर्चा-पानीसंतुलित रह सके। वहीं, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के उपभोक्ताओं को भी सरकार से राहत की उम्मीद है।

## अंतरराष्ट्रीय बाजार और क्रूड ऑयल का असर

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय गैस इंडेक्स के आधार पर ही घरेलू बाजार में दाम तय होते हैं। अगर वैश्विक स्तर पर सप्लाई चैन में कोई बाधा आती है, तो इसका सीधा असर भारतीय रसोई तक पहुंचता है। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे अपने नजदीकी डीलर के पास जाकर या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आज ही गैस बुकगिंग का स्टेटस चेक कर लें।

## पेट्रोल-डीजल और तेल की कीमतें: नए महीने में ईंधन के दामों का

ईंधन की कीमतें सीधे तौर पर देश में महंगाई दर को नियंत्रित करती हैं। यदि पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ते हैं, तो माल डुलाई (Transportation Cost) महंगी हो जाती है, जिससे फल, सब्जियां और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं।

## क्या वैट (VAT) और टैक्स में होगा बदलाव?

वभिन्न राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा लगाए जाने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (VAT) के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। जून महीने की

शुरुआत में कुछ राज्य अपने टैक्स स्ट्रक्चर में संशोधन कर सकते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर तेल की कीमतों में बड़ा बदलाव देखने को मलि सकता है।

## खाद्य तेलों (Edible Oils) के बाजार का हाल

रसोई गैस के साथ-साथ सरसों का तेल, रफाइंड और पाम ऑयल की कीमतों पर भी सरकार की पैनी नजर है। आयात शुल्क (Import Duty) में बदलाव की संभावनाओं के बीच खाद्य तेलों के थोक और खुदरा दामों में नया समीकरण देखने को मलि सकता है। आम उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी मासिक राशनलिस्टतैयार करते समय इन बदलावों को ध्यान में रखें।

## पैन कार्ड से जुड़े जरूरी नयिम: 1 जून की डेडलाइन और लापरवाही

यदि आपने अभी तक अपने परमानेंट अकाउंट नंबर (PAN) को आधार कार्ड से लकि नहीं किया है या अपने पैन कार्ड से जुड़ी अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा नहीं किया है, तो 1 जून से आपका पैन नष्क्रिय (Inoperative) हो सकता है। आयकर वभिग (Income Tax Department) इस मामले में काफी सख्त रुख अपना रहा है।

## पैन-आधार लकिगि और नष्क्रिय होने के खतरे

>> TDS की उच्च दर: अगर आपका पैन कार्ड इनऑपरेटिव हो जाता है, तो बैंक आपके ट्रांजैक्शन पर सामान्य से दोगुनी दर (अधिकतम 20%) से TDS काट सकते हैं।

>> बैंकिग सेवाएं ठप: नया बैंक खाता खोलना, फिक्स डिपॉजिटि (FD) कराना या म्यूचुअल फंड में निविश करना पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

>> इनकम टैक्स रफिंड अटकना: यदि आपका कोई पुराना रफिंड बकाया है, तो पैन कार्ड एक्टिव न होने की स्थिति में वभिग उसे जारी नहीं करेगा।

## कैसे करें ऑनलाइन अप्लाई और स्टेटस चेक?

आप आयकर वभिग की आधिकारिक ई-फाइलिंग वेबसाइट पर जाकर apply online लकि के माध्यम से आसानी से अपने पैन का स्टेटस देख सकते हैं। इसके लए आपको अपना पैन नंबर और आधार नंबर दर्ज करना होगा। यदि कोई जरूरी लंबति है, तो उसका भुगतान करके तुरंत अपने कार्ड को वैध बनाएं, अन्यथा भविष्य में नए पैन के लए PDF फॉर्म भरकर दोबारा लंबी प्रक्रिया से गुजरना होगा।

## बैंकिग और वत्तीय क्षेत्र में नए नयिम: आपकी सेविग्स और ट्

1 जून से बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर में कई बड़े बदलाव लागू हो रहे हैं, जो सीधे आपके क्रेडिट कार्ड, सेविंग्स अकाउंट और लोन की कसितों (EMI) को प्रभावित करेंगे। रजिस्टर बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के नए दशिया-नरिदेशों के अनुसार बैंकों ने अपनी इंटरनल पॉलिसीज को अपडेट किया है।

## क्रेडिट कार्ड के नियमों में बड़ा बदलाव

देश के कई बड़े बैंक जैसे SBI, ICICI और HDFC बैंक अपने क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड प्रॉइंट्स और यूटिलिटी बिल पेमेंट्स (जैसे बजिली, पानी का बिल) पर मलिनने वाले डिसकाउंट को रविाइज कर रहे हैं। अब कुछ श्रेणियों में बिल भुगतान करने पर अतरिकित चार्ज या प्रोसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है।

## अनलॉकड और इनएक्टिव अकाउंट्स पर सखती

यदि आपके पास कोई ऐसा बैंक खाता है जिसमें पछिले न्यूनतम 12-24 महीनों से कोई लेनदेन नहीं हुआ है, तो बैंक उसे डॉरमेंट या इनएक्टिव घोषति कर सकता है। ऐसे खातों से धोखाधड़ी रोकने के लिए जून से नए सुरक्षा मानक लागू किए जा रहे हैं। अपने खातों को चालू रखने के लिए एक छोटा डिजिटल ट्रांजैक्शन अवश्य कर लें।

## घरेलू बजट और महंगाई: अन्य सरकारी बदलाव जो सीधे आपकी जेब पर ड

इन मुख्य वृत्तीय नियमों के अलावा, जून महीने से देश में कुछ अन्य सेक्टर में भी बड़े नीतगित बदलाव होने जा रहे हैं। इसमें यातायात के नियम, ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए नई गाइडलाइंस और कुछ राज्यों में बजिली की दरों में होने वाला संशोधन शामिल है।

## यातायात और टोल टैक्स में संभावति बढ़ोतरी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधकिरण (NHAI) द्वारा नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए टोल टैक्स की दरों में आंशकि बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे न सिर्फ नजिी वाहनों से यात्रा करना महंगा होगा, बल्कि कमरशयिल वाहनों का कशिया बढ़ने से लॉजस्टिक्स सेक्टर पर भी दबाव बढ़ेगा।

## सरकारी योजनाओं (Sarkari Yojana) का नया अपडेट

जून महीने में कई कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की नई लिस्ट जारी होने वाली है। सरकार पारदर्शति बढ़ाने के लिए लाभार्थियों के ई-केवाईसी (e-KYC) वेरिफिकेशन को अनविर्य कर रही है। यदि आपका नाम इस सूची में शामिल नहीं है, तो तुरंत ऑनलाइन चेक करें और आवश्यक दस्तावेज

अपलोड करें।

## बदलते नयिमों के बीच कैसे संभालें अपना खर्चा-पानी ? एक्सपर्ट

बढ़ती महंगाई और हर महीने बदलते नयिमों के बीच अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक बजट को संभालना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि थोड़ी सी समझदारी और अनुशासन से आप अपने खर्चा-पानी को आसानी से मैनेज कर सकते हैं और अनपेक्षित झटकों से बच सकते हैं।

## स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग के मूल मंत्र

>> डिजिटल ट्रैकिंग: अपने हर छोटे-बड़े खर्च का हिसाब रखें। मोबाइल ऐप्स या साधारण एक्सेल शीट की मदद से ट्रैक करें कि आपका पैसा कहां जा रहा है।

>> डेडलाइंस का रखें ध्यान: पैन-आधार लकि, क्रेडिट कार्ड ड्यू डेट और इंश्योरेंस प्रीमियम की तारीखों को कैलेंडर में मार्क कर लें ताकि लिट फाइन से बचा जा सके।

>> इमरजेंसी फंड: अपने मासिक खर्च का कम से कम 6 गुना हिसाब हमेशा एक अलग सेविंग्स अकाउंट या लक्विडि फंड में सुरक्षित रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में कर्ज न लेना पड़े।

नयिमों का यह चक्रव्यूह केवल भारत के आम आदमी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर में और जीवन के हर क्षेत्र में रणनीतियां बदल रही हैं। उदाहरण के लिए, खेल की दुनिया में भी हर मुकाबले के लिए नई रणनीति बनानी पड़ती है। यदि आप स्पोर्ट्स के शौकीन हैं, तो इस रोमांचक खेल विश्लेषण को देख सकते हैं: **महामुकाबला! Universitario vs The Strongest: कौन मारेगा बाजी, जानिए अभी!**

## नष्कष

1 जून से होने वाले ये बदलाव स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि आने वाले समय में वित्तीय अनुशासन कतिना महत्वपूर्ण होने वाला है। एलपीजी की कीमतों से लेकर पैन कार्ड की डेडलाइन तक, हर एक नयिम आपकी जेब पर सीधा असर डालने की क्षमता रखता है। समय पर सही जानकारी रखना और सरकारी दशा-नर्देशों का पालन करना ही आपको किसी भी प्रकार के आर्थिक झटके या जुर्माने से बचा सकता है।

जीवन में बदलाव केवल नयिमों और बजट में ही नहीं आते, बल्कि हमारे देश की अनूठी संस्कृतियों में भी कई रंग देखने को मिलते हैं। यदि आप काम के इस तनाव के बीच भारत की एक बेहद अनोखी और पारंपरिक संस्कृति के बारे में जानकर थोड़ा मनोरंजन करना चाहते हैं, तो इस लेख को अवश्य पढ़ें: **तेलंगाना की होली: रंगों से नहीं, मुकों से मनाई जाती है!**

## महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

सरकारी तेल कंपनियों द्वारा हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतें संशोधित की जाती हैं। इस महीने कमरथयिल सलेंडर के दामों में बदलाव की घोषणा की गई है, जिसका सीधा असर बाजार पर पड़ेगा।

आप आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग वेबसाइट पर जाकर Link Aadhaar Status के विकल्प पर क्लिक करके अपना पैन और आधार नंबर दर्ज कर स्टेटस चेक कर सकते हैं।

पैन नष्टिकरयि होने पर आपका बैंक उच्च दर से टीडीएस (TDS) काटेगा, आप नया खाता नहीं खोल पाएंगे, म्यूचुअल फंड नविश रुक जाएगा और आपका टैक्स रफिंड भी अटक जाएगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें वैश्विक कच्चे तेल (Crude Oil) की दरों और राज्य सरकारों द्वारा लगाए जाने वाले वैट (VAT) पर नरिभर करती हैं। नए महीने में कुछ राज्यों में मामूली बदलाव देखने को मलि सकते हैं।

कई प्रमुख बैंकों ने यूटिलिटी बलियों के भुगतान पर मलिने वाले रविॉर्ड पॉइंट्स को सीमति कर दिया है और कुछ वशिष प्रकार के ट्रंजैक्शन पर अतरिकित प्रोसेसिंग फीस लागू कर दी हैं।

आरबीआई के नरिदेशानुसार, जनि खातों में लंबे समय से कोई गतविधि नहीं हुई है, उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इन्हें दोबारा सकरयि करने के लिए आपको बैंक शाखा जाकर री-कैवाईसी (Re-KYC) करानी होगी।

हाँ, एनएचआई (NHAI) द्वारा देश के कुछ प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल दरों में वार्षिक संशोधन की योजना है, जिससे सफर थोड़ा महंगा हो सकता है।

संबंधति सरकारी योजना (Sarkari Yojana) के आधिकारिक वेब पोर्टल पर जाएं, वहां Beneficiary List या Status Check लकि पर क्लिक करके अपना रजसि्टरेशन नंबर या आधार नंबर दर्ज करें।

वशिषज्ओं के अनुसार, आपको गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करनी चाहिए, सभी वत्ततीय डेडलाइंस का कड़ाई से पालन करना चाहिए और हर महीने एक नश्चिति राशति आपातकालीन फंड के रूप में बचानी चाहिए।

यदु आपका पैन कार्ड इनऑपरेटिव हो गया है, तो आप आयकर विभाग के पोर्टल पर जाकर नरिधारति वलिंब शुल्क (लेट फाइन) का भुगतान करके और आधार से दोबारा लकि करके इसे फरि से एक्टिव कर सकते हैं।